योग्यता आधारित पाठ्यचर्या

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता कार्यक्रम

एनवीईक्यू स्तर 2

क्षेत्र : निजी सुरक्षा

पं. सुं. श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल
(एनसीईआरटी की एक घटक इकाई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन)

कॉपीराइट

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस योग्यता आधारित पाठ्यचर्या के सभी कॉपीराइट पूरी तरह और विशेष रूप से पीएसएससीआईवीई के स्वामित्व में हैं।

विषय वस्तु

1.	प्रस्तावना	04
2.	क्षेत्र के बारे में	06
3.	पाठ्यक्रम के उद्देश्य	07
4	पाठ्यक्रम संरचना	08
5.	कक्षा कक्ष गतिविधियां	09
6.	प्रायोगिक गतिविधियां	09
7.	कार्य के दौरान प्रशिक्षण	09
8.	प्रमाणीकरण	10
9.	इकाइयां	

एसएस 201 – एनक्यू 2012 : मूलभूत रक्षात्मक तकनीकें	11
एसएस 202 – एनक्यू 2012 : आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया (उन्नत)	12
एसएस 203 – एनक्यू 2012 : सुरक्षा संरचना और निजी सुरक्षा का नियंत्रण करने वाले कानून	14
एसएस 204 – एनक्यू 2012 : सूचना प्रौद्योगिकी का परिचय	17
एसएस 205 – एनक्यू 2012 : ई–मेल संदेश	18
एसएस 206 – एनक्यू 2012 : प्राथमिक चिकित्सा अभ्यास (उन्नत)	21
एसएस 207 – एनक्यू 2012 : कार्य एकीकृत अधिगम – सुरक्षा सेवा एल–2	22

10.	आकलन पुस्तिका	25
11.	साधन, उपकरण और सामग्रियों की सूची	27
12.	अध्यापकों की योग्यता	29
13.	योगदानकर्ताओं की सूची	30

प्रस्तावना

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता रूपरेखा (एनवीईक्यूएफ) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा विकसित एक वर्णनात्मक रूपरेखा है जो विभिन्न योग्यताओं को जोड़ने के लिए एक सामान्य संदर्भ प्रदान करती है। यह स्कूलों, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, तकनीकी शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों / कॉलेजों को शामिल करते हुए एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्रणाली के लिए सामान्य सिद्धांतों और दिशा निर्देशों की स्थापना के लिए उपयोग किया जाता है।

एनवीईक्यूएफ ज्ञान और कौशल के स्तर की एक श्रृंखला के अनुसार योग्यता का आयोजन करता है। इन स्तरों को अधिगम के परिणामों अर्थात दक्षताओं (ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण) के संदर्भ में परिभाषित किया गया है जो इस पर ध्यान दिए बिना छात्रों में होने चाहिए कि यह औपचारिक, अनौपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से हासिल किया गया है। योग्यताएं अधिगम इकाइयों या योग्यता की इकाई के विशिष्ट क्षेत्रों के व्यावसायिक मानकों से बने होते हैं। योग्यता की इकाइयां ज्ञान और कौशल की विशिष्टियां और कार्यस्थल में अपेक्षित उस ज्ञान और कौशल स्तर के अनुप्रयोग हैं। दक्षता की इकाइयों या राष्ट्रीय व्यावसाय मानकों में वे सामान्य तथा तकनीकी दक्षताएं होती हैं जो एक कर्मचारी में होनी चाहिए, जैसा कि संबंधित आर्थिक या सामाजिक क्षेत्र की क्षेत्र कौशल परिषद द्वारा निर्दिष्ट किया गया है।

दक्षता को उस संदर्भ में परिभाषित किया जाता है जो एक व्यक्ति को करने (निष्पादन) की आवश्यकता होती है, किस परिस्थिति में (परिस्थितियां) में इसे किया जाता है और इसे कितनी अच्छी तरह (स्तर) किया जाता है। इसे मोटे तौर पर मूलभूत, व्यावहारिक और बाध्य दक्षताओं में वर्गीकृत किया जा सकता है। एक व्यक्ति कार्यबल में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिए सामान्य दक्षताओं को आवश्यक माना जाता है जबकि यह तकनीकी दक्षता के विशिष्ट समूह कार्य और इसकी प्रक्रियाओं और अपने नियमों और विनियमों में एक व्यक्तिगत ज्ञान और विशेषज्ञता हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिनांक 3 सितंबर, 2012 को एनवीईक्यूएफ के विभिन्न पहलुओं पर एक कार्यकारी आदेश एफ. सं. 1–4 / 2011 – वीई जारी किया गया है। एनवीईक्यूएफ पर अधिक जानकारी के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वेबसाइट www: mhrd.gov.in पर देखें।

पद ''पाठ्यचर्या'' (बहुवचन : पाठ्यचर्याएं) को अंग्रेजी भाषा में ''करिकुलम' शब्द लेटिन भाषा ''रेस कोर्स'' से आया है, जिसका अर्थ विलेखों (दस्तावेज) का क्रम और बच्चों के अनुभव हैं जिनसे गुजरकर वे वयस्क बनते हैं। दक्षता आधारित पाठ्यचर्या में बताया गया है कि छात्र को कार्यक्रम या अध्ययन के अंत में क्या 'सीखना' चाहिए और 'क्या करने में सक्षम होना चाहिए', इसे पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। इसमें प्रत्येक छात्र से अभिज्ञात दक्षताओं और उप दक्षताओं में महारत पाने की अपेक्षा की जाती है। इसमें वे मानदंड और शर्तें स्पष्ट रूप से बताए जाते हैं, जिनसे निष्पादन का आकलन किया जाता है। इसमें उन अधिगम गतिविधियों को भी परिभाषित किया जाता है जिनसे छात्र लक्षित अधिगम परिणाम में महारत हासिल करेंगे।

दक्षता आधारित पाठ्यचर्या को आपस में जुड़े हुए हिस्सों में तोड़ा जाता है जिन्हें, इकाई कहते हैं। प्रत्येक इकाई को इस आधार पर ज्ञान और कौशलों में बांटा जाता जिसके लिए छात्र द्वारा साक्ष्य दिए जाए और अध्यापक और प्रशिक्षक द्वारा मूल्यांकन किया जाए।

क्षेत्र के बारे में

शब्दकोश की परिभाषा में सुरक्षित और सुरक्षा का अर्थ है खतरे या जोखिम से मुक्त। कोई भी कार्य जो सुरक्षा देने या इसका आश्वासन देता है या एक दायित्व की पूर्ति या प्रतिज्ञा के रूप में किया जाता है उसे सुरक्षा कहते हैं। सुरक्षा शब्द का अर्थ है ''सुरक्षित महसूस करना''। अंग्रेजी का सिक्योर शब्द लैटिन भाषा के सेक्यूरस शब्द से आया है जिसका अर्थ है ''चिंता रहित'', जबकि अंग्रेजी के गार्ड शब्द का जन्म फ्रांसीसी शब्द गार्डे या गार्डर से हुआ है, जिसका अर्थ है ''सुरक्षा देना''। इन शब्दों को एक साथ रखकर अंग्रेजी का शब्द सिक्योरिटी (सुरक्षा) गार्ड बनता है, जिसका अर्थ है ''चिंता रहित अनुभूति के साथ सुरक्षा देना''।

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों अर्थात् थल सेना, नौसेना, वायु सेना, पुलिस और गुप्त खुफिया संगठन राष्ट्र के नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। स्थानीय स्तर पर, निजी ''सुरक्षा फर्मों'' की ''सुरक्षा व्यवस्था'' के प्रावधान के माध्यम से कंपनी, घरेलू और व्यक्ति की लोगों और परिसंपत्ति को सुरक्षा प्रदान करते हैं जिसमें बर्गलर अलार्म, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, निजी सुरक्षा गार्ड आदि शामिल हैं। सुरक्षा और सुरक्षा कर्मी व्यक्तियों, भवनों, सुविधाओं और अन्य प्रमुख परिसंपत्तियों की रक्षा करने में अपने कौशल का उपयोग करके सार्वजनिक सुरक्षा और व्यवस्था का समर्थन करते हैं। वे परिसंपत्ति की सुरक्षा, परिवहन सेवाएं, घटनाओं के साथ ही निजी सुरक्षा और निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्य करते हैं।

विभिन्न रोजगार के अवसर जिसमें निजी सुरक्षा क्षेत्र में निम्नलिखित प्रस्ताव शामिल हैं (1) अंग रक्षक, (2) वरिष्ठ सुरक्षा कार्यपालक, (3) सुरक्षा कार्यपालक, (4) कनिष्ठ सुरक्षा विशेषज्ञ (5) सुरक्षा प्रशिक्षु, (6) शस्त्र रहित सुरक्षा प्रशिक्षक, (7) मुख्य सुरक्षा प्रबंधक, (8) मुख्य सुरक्षा अधिकारी / सुरक्षा प्रबंधक, (9) सुरक्षा और प्रशासनिक प्रमुख, (10) सुरक्षा अधिकारी, (11) सुरक्षा अभियंता, (12) सर्कल सुरक्षा अधिकारी, (13) सुरक्षा एसोसिएट, (14) सुरक्षा सहायक / गार्ड।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के पूरा होने पर, आप यह करने में सक्षम होंगे :

- प्रभावी ढंग से कवायद के आदेशों का पालन करने की क्षमता का प्रदर्शन करना;
- आत्मरक्षा की बुनियादी तकनीक का प्रदर्शन;
- आपदा प्रबंधन और भूमिका तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया समूह के कार्यों के विभिन्न पहलुओं का वर्णन करना;
- राष्ट्रीय सुरक्षा बलों की भूमिका और कार्यों के बीच अंतर करना;
- निजी सुरक्षा एजेंसियों और कार्मिकों की भूमिका और कार्यों का वर्णन करना;
- प्राथमिक चिकित्सा पद्धतियों के ज्ञान का प्रदर्शन;
- निजी सुरक्षा कर्मियों की भूमिका और कार्यों का वर्णन करना और कैरियर आकांक्षाओं और वरीयताओं के साथ उनका संबंध;
- दस्तावेजों और चित्रों के बनाने और संपादित करने में कंप्यूटर के उपयोग का प्रदर्शन;
- कम्पोजिंग, सेंडिंग, फॉर्वर्डिंग और ई–मेल प्रबंधन में इलेक्ट्रॉनिक मेल सुविधा के उपयोग का प्रदर्शन;
- भारत में सुरक्षा बल से संबंधित कानूनों का वर्णन।

योग्यता आधारित पाठ्यचर्या

क्षेत्र : निजी सुरक्षा

पाठ्यक्रम संरचना : इस पाठ्यक्रम (व्यावसायिक योग्यता पैकेज) की योजना में निर्देशों का अनुक्रम है जिसमें निम्नलिखित 07 मॉड्यूलों को इकाई कहा जाता है।

एनवीईक्यू स्तर 2				
क्र. सं.	इकाई कोड	इकाई शीर्षक	सांकेतिक अधिगम घंटों की सं.	पूर्व – अपेक्षित इकाई, यदि कोई हो
1.	एसएस 201 – एनक्यू 2012	मूलभूत रक्षात्मक तकनीकें	10	शून्य
2.	एसएस 202 – एनक्यू 2012	आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया (उन्नत)	10	एसएस 102–एनक्यू 2012: आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया (मूलभूत)
3.	एसएस 203 – एनक्यू 2012	सुरक्षा संरचना और निजी सुरक्षा का नियंत्रण करने वाले कानून	15	शून्य
4.	एसएस 204 – एनक्यू 2012	सूचना प्रौद्योगिकी का परिचय	10	शून्य
5.	एसएस 205 – एनक्यू 2012	ई–मेल संदेश	10	एसएस 204–एनक्यू 2012: सूचना प्रौद्योगिकी का परिचय
6.	एसएस 206 – एनक्यू 2012	प्राथमिक चिकित्सा अभ्यास (उन्नत)	20	एसएस 106–एनक्यू 2012: कार्यस्थल में प्राथमिक चिकित्सा (मूलभूत)
7.	एसएस 207 – एनक्यू 2012	कार्य एकीकृत अधिगम – सुरक्षा सेवा एल–2	10	शून्य
कुल			85	

पूर्ण योग्यता के लिए सिद्धांत सत्र के 85 घंटे तथा अभ्यास गतिविधियों तथा रोजगार अधिगम के लिए 115 घंटे के सफल समापन किया जाना चाहिए।

कक्षा कक्ष गतिविधियां : कक्षा कक्ष गतिविधियां इस कार्यक्रम का अविभाज्य भाग हैं और इसमें प्रशिक्षित अध्यापकों द्वारा अंतःक्रियात्मक व्याख्यान सत्र, इसके बाद चर्चाओं का आयोजन किया जाना चाहिए। अध्यापकों को विभिन्न प्रकार के अनुदेशात्मक सहायक साधनों जैसे विडियो, रंगीन स्लाइड, चार्ट, आरेख, मॉडल, दस्तावेज, हैंडआउट, रिकॉर्डेड कॉम्पेक्ट डिस्क आदि से सुरक्षात्मक और अंतःक्रियात्मक विधि में ज्ञान का प्रसार करना चाहिए।

प्रायोगिक गतिविधियां : सुरक्षा का प्रबंधन करने के लिए व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने वाली गतिविधियों में प्रकरण आधारित समस्याओं, अभिनय, खेल आदि को शामिल किया जाना चाहिए, जो सुरक्षा घटनाओं पर आधारित हों और प्रायोगिक अभ्यासों में प्रोप, उपकरण और मशीनें तथा कवायद उपयोग किए जाते हैं। उपकरण और आपूर्तियां चुने गए व्यावसाय में छात्रों को अपने आप कार्य करने का अनुभव बढ़ाने हेतु दिए जाने चाहिए। प्रशिक्षित कार्मिकों को विशेष तकनीकें जैसे प्राथमिक चिकित्सा, आत्म रक्षा तकनीकें, अग्नि शमन आदि सिखाने चाहिए। एक प्रशिक्षण योजना पर छात्र, अध्यापक और नियोक्ता के हस्ताक्षर होने चाहिए, जिसमें संगठन / उद्योग में छात्रों के प्रशिक्षण के लिए उपकरण, कौशलों और कार्यों की तैयारी का विवरण होना चाहिए।

कार्य के दौरान प्रशिक्षण : कार्य के दौरान प्रशिक्षण (ओजेटी) तब दिया जाता है जब अधिक अनुभव रखने वाला कर्मचारी या पर्यवेक्षक कम अनुभवी व्यक्तियों को कार्य के एक या अनेक पक्षों की जानकारी देता है। प्रशिक्षण में वास्तविक उपकरण और सामग्रियों का उपयोग किया जाता है। ओजेटी एक संरचित तरीके से किया जाना चाहिए जिसमें एक अनुभवी प्रशिक्षक या पर्यवेक्षक के निरीक्षण में प्रशिक्षण योजना बनाई जानी चाहिए। प्रशिक्षण योजना में निष्पादन और दक्षताओं के कार्य प्रदर्शित होने चाहिए जिन्हें पूरा किया जाना है और इस पर संगठन / उद्योग में छात्रों के प्रशिक्षण के लिए कार्य स्थल पर छात्र, अध्यापक और पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर होने चाहिए। प्रशिक्षक को कार्य के सभी चरणों की जानकारी देकर छात्रों को प्रशिक्षण योजना के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए। एक संरचित ओजेटी में निम्नलिखित चरणों का पालन किया जाना चाहिए :

चरण 1 : अनुदेशक या प्रशिक्षक बोलता, दिखाता, प्रदर्शित करता और समझाता है। प्रशिक्षक कार्य का पूरा विवरण देकर रचनात्मक विवरण समझाता है और कार्य के निष्पादन में पुर्जों, उपकरण, सामग्री आदि का उपयोग बताता है।

चरण 2 : अनुदेशक या प्रशिक्षक कार्य के चरणों को वास्तविक रूप से करने के लिए एक बार में एक, इस प्रकार प्रत्येक चरण का प्रदर्शन करता है, जबकि प्रशिक्षु देखते हैं। चरणों का प्रदर्शन वास्तविक प्रचालन के क्रम में करना अनिवार्य नहीं है, कई बार यह बेहतर होता है कि सरल कार्यों का प्रदर्शन पहले करते हुए आत्म विश्वास का निर्माण किया जाए। प्रत्येक उपयुक्त चरण पर तैयार उत्पाद दर्शाने से छात्र को यह समझने में सहायता मिलेगी कि परिणाम के रूप में क्या आवश्यक है। प्रदर्शन करते हुए प्रशिक्षक समझाता है कि प्रत्येक चरण उसी प्रकार किया जाए जिस प्रकार इसे किया जाना है।

चरण 3 : इसमें प्रशिक्षु की सीधी भागीदारी शामिल है। प्रशिक्षक दक्षताओं की जांच सूची पर प्रगति की निगरानी करता है और जब या जहां आवश्यक हो, वहां प्रतिक्रिया तथा पॉइंटर प्रदान करता है।

चरण 4 : इसमें प्रशिक्षु निष्पादन मानकों के लिए स्पष्ट लक्ष्य परिभाषित करता है।

प्रमाणन : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक पूरे होने पर राज्य शिक्षा बोर्ड और सुरक्षा ज्ञान तथा कौशल विकास परिषद (एसकेएसडीसी) छात्रों को उनके द्वारा अर्जित दक्षताओं के सत्यापन के बाद प्रमाणपत्र प्रदान करेगा। एसएससी के बारे में अधिक जानकारी के लिए एसकेएसडीसी की वेबसाइट http://www.sksdc.in देखें।

इकाई कोड : एसएस 201 – एनक्यू 2012	इकाई का शीर्षक : मूलभूत रक्षात्मक तकनीकें			
	अवधि : 10 घंटे			
	अधिगम के परिणाम	ज्ञान मूल्यांकन	निष्पादन मूल्यांकन	शिक्षण और प्रशिक्षण विधि
स्थान : कक्षा और संगठन या संस्थान	1. कवायद में प्रभावी रूप से भाग लेने और कवायद के लिए आदेशों का पालन करने की क्षमता का प्रदर्शन	1. कवायद के महत्व का वर्णन। 2. विभिन्न कवायद के लिए आदेश बताएं। 3. अच्छी कवायद के लिए आदेशों (प्रेरणादायी,केंद्रीकरण, अनुरक्षण, रिकॉर्ड) के प्रयोजन और विशेषताएं समझाएं।	1. कवायद के लिए आदेशों का पालन करने की क्षमता का प्रदर्शन।	पारस्परिक व्याख्यान : कवायद के लिए आदेश गतिविधि : कवायद पर अभ्यास सत्र
	2. व्यक्तिगत रूप से तैयार होने के सत्र का प्रदर्शन	1. वर्दी, स्वास्थ्य, स्वच्छता आदि सहित व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं का वर्णन	1 व्यक्तिगत रूप से तैयार होने का प्रदर्शन (साफ और आयरन की हुई वर्दी पहनें, नाखून काटें, नियमित रूप से दांत साफ करें, उचित रूप से कंघा करें, छींकते या खांसते समय चेहरे पर रूमाल रखें आदि)	पारस्परिक व्याख्यान : व्यक्तिगत रूप से तैयार होना और व्यक्तिगत विकास गतिविधि : व्यक्तिगत रूप से तैयार होने की सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रदर्शन
	3. देखे गए अत्मारक्षा के बिंदु से मानव शरीर के कमजोर हिस्से की पहचान	1. मानव शरीर के विभिन्न हिस्से की पहचान जो हमले और क्षति के दौरान कमजोर हैं।	1. हमले या आत्मरक्षा के दौरान क्षति के मानव शरीर के विभिन्न भागों की पहचान।	पारस्परिक व्याख्यान : मानव शरीर और अपनी संवेदनशीलता के कमजोर भाग और नुकसान और क्षति की उन्मुखता। गतिविधि : मानव शरीर के कमजोर हिस्से की पहचान के लिए जैविक प्रयोगशाला में जाएं। आत्मरक्षा

				के अभ्यास सत्र के दौरान कमजोर हिस्से की सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा उपकरण और सामग्री के उपयोग पर प्रदर्शन। कमजोर हिस्से की रक्षा में ली जाने वाली सावधानियों पर चर्चा।
	4. मूलभूत आत्मरक्षा तकनीकों का प्रदर्शन	1. आत्मरक्षा तकनीकों को सीखने का अर्थ और महत्व का वर्णन। 2. निःशस्त्र लड़ाई (जैसे कराटे, कुंग फू, जूडो आदि के विभिन्न रूपों में इस्तेमाल की गई तकनीक का वर्णन।	1. ग्राही द्वारा आवश्यक सभी तथ्यों को प्रेषित करने वाले एक वाक्य का निर्माण करना 2. निशस्त्र और शस्त्र के साथ लड़ाई में अंतर मर्शल आर्ट और क्रेव मेगा में इस्तेमाल होने वाली तकनीकों में अंतर	पारस्परिक व्याख्यान : आत्मरक्षा रक्षा तकनीक गतिविधि : प्रशिक्षक / अनुदेशक की कड़ी निगरानी में आत्मरक्षा की तकनीक के विभिन्न रूपों का प्रदर्शन और व्यवहार।

इकाई कोड : एसएस 202 – एनक्यू 2012	इकाई का शीर्षक : आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया (उन्नत)			
	अवधि : 10 घंटे			
	अधिगम के परिणाम	ज्ञान मूल्यांकन	निष्पादन मूल्यांकन	शिक्षण और प्रशिक्षण विधि
स्थान : कक्षा और दमकल केंद्र	1. आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया के महत्व का वर्णन	1. आपदा प्रबंधन के अर्थ का वर्णन।	1. खतरा और आपदा के बीच अंतर	पारस्परिक व्याख्यान : आपदा प्रबंधन गतिविधि : आपदा प्रबंधन के महत्व पर वेब सर्च।
	2. आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया के	1. आपदा प्रबंधन के लक्ष्यों का वर्णन। 2. आपदा प्रबंधन चक्र के विभिन्न पहलुओं को समझना	1. आपदा प्रबंधन के विभिन्न चरणों की पहचान।	पारस्परिक व्याख्यान : आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया

	विभिन्न पहलुओं का वर्णन	3. आपदा प्रबंधन के विभिन्न चरणों का वर्णन।		गतिविधि : आपदा प्रबंधन के लक्ष्यों और चरणों पर समूह चर्चा। स्थिति पर भूमिका निभाना जो एक आपातकालीन प्रतिक्रिया आवश्यक है जैसे भूकंप, आग आदि।
	3. आपातकालीन प्रतिक्रिया दल की भूमिका और जिम्मेदारियों का वर्णन	1. आपातकालीन प्रतिक्रिया दल में शामिल विभिन्न लोगों की भूमिका और जिम्मेदारियों का वर्णन। 2. बचाव और निकासी की कवायद के विभिन्न प्रकारों का वर्णन। 3. अग्निशमन दल, खोज और बचाव दल, चिकित्सा ट्राइएज दल और चिकित्सा उपचार दल के भूमिका और कार्यों का वर्णन। 4. खोज और बचाव, पहाड़ से बचाव, भूमि पर खोज और बचाव, शहरी खोज और बचाव, युद्ध में खोज और बचाव और हवाई रास्ते से सामग्री बचाव के उद्देश्य का वर्णन। 5. बचाव और निकासी की कवायद के महत्व का वर्णन।	1. एक आपातकालीन स्थिति पर प्रतिक्रिया देने में विभिन्न दलों की भूमिका पहचानें। 2. ईआरटी (व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण) सूट, हैजमैट (खतरनाक सामग्री प्रतिक्रिया वाले ट्रक), वैक्यूम ट्रेलर्स, खुदाई के यंत्र, बुलडोजर, ट्री–एक्सल डम्प ट्रक, स्थल बहाली उपकरण, रोल–ऑफ कंटेनर ट्रक) द्वारा इस्तेमाल होने वाले उपकरण की पहचान।	पारस्परिक व्याख्यान : आपातकालीन प्रतिक्रिया दल की भूमिका गतिविधि : एक स्थिति पर ईआरटी के रूप में भूमिका निभाना जो एक आपातकालीन प्रतिक्रिया जैसे भूकंप, आग आदि के समय आवश्यक है।

	4. आग के विभिन्न प्रकार, उनके अग्नि शामक के कारणों और विधियों का वर्णन	1. आग के विभिन्न प्रकारों का वर्णन। 2. आग के सामान्य कारकों का वर्णन। 3. आग की घटना को रोकने के लिए उठाए जाने वाली सावधानियों का वर्णन। 4. अग्निशमन में विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों के कर्तव्यों का वर्णन। 5. आग की आपात स्थिति से निपटाने के लिए प्रक्रिया का वर्णन। 6. छोटी आग को बुझाने की विधि का वर्णन 7. विभिन्न अग्निशामक उपकरण के उपयोग बताएं।	1. आग के विभिन्न प्रकारों का वर्गीकरण। 2. विभिन्न अग्निशमन उपकरणों की पहचान।	पारस्परिक व्याख्यान : अग्निशमन गतिविधि : आग की रोकथाम और अग्निशमन के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करने के लिए अग्निशमन कवायद का आयोजन

इकाई कोड : एसएस 203 – एनक्यू 2012	इकाई का शीर्षक : सुरक्षा संरचना और निजी सुरक्षा का नियंत्रण करने वाले कानून			
	अवधि : 15 घंटे			
	अधिगम के परिणाम	ज्ञान मूल्यांकन	निष्पादन मूल्यांकन	शिक्षण और प्रशिक्षण विधि
स्थान : कक्षा	1. भारत में सुरक्षा संरचना का वर्णन।	1. भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना का वर्णन – सशस्त्र बल (भारतीय थल सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना, भारतीय तटरक्षक बल, अर्धसैनिक बल)।	1. आंतरिक और बाहरी खतरों के बीच अंतर। 2. आंतरिक और बाहरी खतरों से निपटने के लिए जिम्मेदार बलों की पहचान। 3. शर्तों के तहत पहचान जो सशस्त्र बल (विशेष	पारस्परिक व्याख्यान : भारत में सुरक्षा संरचना गतिविधि : भारत में सुरक्षा संरचना पर समूह चर्चा।

		2. भारत में निजी संरचना सुरक्षा का वर्णन। 3. बाहरी खतरों से निपटने के लिए जिम्मेदार बलों की पहचान। 4. सशस्त्र बल अधिनियम का वर्णन	अधिकार) अधिनियम लागू किया जा सकता है।	
	2. बाहरी और आंतरिक खतरों से सुरक्षा प्रदान करने में सेना, भारतीय वायु सेना और नौसेना के प्रमुख भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. सेना की सेवा शाखाओं (उदाहरण सशस्त्र कोर्प्स, पैदल सेना, तोपखाने, सेना की हवाई सुरक्षा, इंजीनियर, सिगनल) की भूमिका और कार्यों का वर्णन। 2. भारतीय वायु सेवा और नौसेना की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. सशस्त्र कोर्प्स, पैदल सेना, तोपखाने, सेना की हवाई सुरक्षा, इंजीनियर, सिगनलों की भूमिका और कार्यों के बीच अंतर।	पारस्परिक व्याख्यान : सेना की सेवा शाखाओं की भूमिका और कार्य। गतिविधि : सेना की सेवा शाखाओं की भूमिका और कार्यों पर समूह चर्चा। सशस्त्र कोर्प्स, पैदल सेना, तोपखाने, सेना की हवाई सुरक्षा, इंजीनियर, सिगनलों, भारतीय वायु सेना और नौसेना के मुख्यालय का स्थान और कार्यनीतिक स्थानों की वेब सर्च।
	3. अर्ध सैनिक बलों की मुख्य भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. अर्द्ध सैनिक बलों (सीमा सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस, सशस्त्र सेवा बल, असम राइफल्स) की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. सीमा सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस, सशस्त्र सेवा बल, असम राइफल्सों की भूमिका और कार्यों के बीच अंतर।	पारस्परिक व्याख्यान : अर्द्ध सैनिक बलों की भूमिका और कार्य गतिविधि : अर्द्ध सैनिक बलों के मुख्यालयों का स्थान और कार्यनीतिक

				स्थानों की वेब सर्च।
	4. केंद्रीय पुलिस बलों की मुख्य भूमिका और कार्यों का वर्णन	1. केन्द्रीय पुलिस बल (केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, रैपिड एक्शन फोर्स, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, रेलवे सुरक्षा बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड) की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, रैपिड एक्शन फोर्स, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, रेलवे सुरक्षा बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड की भूमिका और कार्यों के बीच अंतर।	पारस्परिक व्याख्यान : केन्द्रीय पुलिस बल की भूमिका और कार्य गतिविधि : केन्द्रीय पुलिस बल के मुख्यालय के स्थान और कार्यनीतिक स्थानों की वेब सर्च।
	5. राज्य पुलिस बल की मुख्य भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. राज्य पुलिस बल (महानगर पुलिस, राज्य सशस्त्र पुलिस, विशेष सशस्त्र पुलिस बल, राज्य रिजर्व पुलिस बल) की मुख्य भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. महानगर पुलिस, राज्य सशस्त्र पुलिस, विशेष सशस्त्र पुलिस बल, राज्य रिजर्व पुलिस बल की भूमिका और कार्य के बीच अंतर। 2. राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों के रैंक और प्रतीक चिन्ह के बीच अंतर।	पारस्परिक व्याख्यान : राज्य पुलिस बल की भूमिका और कार्य गतिविधि : राज्य पुलिस बल के मुख्यालय के स्थान और कार्यनीतिक स्थानों की वेब सर्च।
	6. निजी सुरक्षा की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. औद्योगिक सुरक्षा, भौतिक सुरक्षा, सामग्री सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा और सूचना सुरक्षा के निजी सुरक्षा उद्योग की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. औद्योगिक सुरक्षा, भौतिक सुरक्षा, सामग्री सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा और सूचना सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा व्यक्तिगत कार्य की भूमिका और कार्यों के बीच अंतर।	पारस्परिक व्याख्यान : निजी सुरक्षा की भूमिका और कार्य गतिविधि : निजी सुरक्षा की भूमिका और कार्यों पर समूह चर्चा और निजी सुरक्षा कर्मियों के कार्यों का अध्ययन करने के लिए कुछ प्रतिष्ठानों का दौरा।
	7. भारत में सुरक्षा संबंधित कानून के विभिन्न अधिनियमों और विनियमों का वर्णन	1. भारत जैसे भारतीय दंड संहिता, भारतीय शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम,	1. भारत में कानूनी सुरक्षा के विभिन्न अधिनियमों के प्रावधानों और अनुप्रयोगों के बीच अंतर	पारस्परिक व्याख्यान : भारत में कानूनी सुरक्षा के विभिन्न अधिनियम और विनियम

		निजी सुरक्षा एजेंसी विनियमन अधिनियम – 2005 के रूप में कानूनी सुरक्षा के विभिन्न अधिनियमों और विनियमों का वर्णन।		गतिविधि : भारत में कानूनी सुरक्षा के अधिनियमों और विनियमों पर समूह चर्चा तथा सुरक्षा पर उनके प्रभाव

इकाई कोड : एसएस 204 – एनक्यू 2012	इकाई का शीर्षक : सूचना प्रौद्योगिकी का परिचय			
	अवधि : 10 घंटे			
	अधिगम के परिणाम	ज्ञान मूल्यांकन	निष्पादन मूल्यांकन	शिक्षण और प्रशिक्षण विधि
स्थान : कक्षा और कंप्यूटर लैब	1. कंप्यूटर सिस्टम के विभिन्न पुर्जों की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. कंप्यूटर सिस्टम के हिस्सों का वर्णन। 2. सॉफ्टवेयर के विभिन्न प्रकारों का अर्थ और भूमिका का वर्णन।	1. प्राइमरी और सेकेंडरी मेमोरी के बीच अंतर। 2. सिस्टम सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के बीच अंतर। 3. कंप्यूटर के हार्डवेयर के हिस्सों की पहचान। 4. सामान्य आई/ओ पोर्ट्स और कनेक्टर्स के बीच अंतर करें। 5. कंप्यूटर सिस्टक के विभिन्न पुर्जों और डिवाइस से कनेक्ट करना। 6. कंप्यूटर सिस्टम स्टार्ट और शट डाउन करना।	पारस्परिक व्याख्यान : कंप्यूटर सिस्टम की पहचान गतिविधि : कंप्यूटर सिस्टम के विभिन्न भागों की पहचान और सीपीयू के साथ उन्हें कनेक्ट करने पर अभ्यास सत्र
	2. कंप्यूटरों और चित्रों को बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कंप्यूटर सिस्टम के विभिन्न फीचर्स का वर्णन	1. डेस्कटॉप, माई कंप्यूटर, रिसाइकिल बिन, माई नेटवर्क प्लेस, माई डॉक्यूमेंट, हेल्प एंड सपोर्ट, सर्च, सेटिंग्स, डॉक्यूमेंट्स,	1. डेस्क टॉप आइकॉन को पहचानें और उनके उपयोग बताएं। 2. फोल्डर बनाना और रिनेम	पारस्परिक व्याख्यान : डेस्कटॉप आइकॉन और डॉक्यूमेंट और चित्र को बनाना।

		प्रोग्राम आदि जैसे फीचर्स के इस्तेमाल का वर्णन।	करना। 3. रिसाइकिल बिन से फाइलों को रिस्टोर करना। 4. नोटपैड में एक टेक्स्ट फाइल बनाएं और इच्छित स्थान में इसे सेव करें। 5. पेंट में चित्र का आरेख बनाएं और इच्छित स्थान में इसे सेव करें।	गतिविधि : डेस्कटॉप आइकॉन और उनके उपयोग की पहचान पर अभ्यास सत्र। डॉक्यूमेंट और चित्र बनाने पर अभ्यास सत्र।
	3. फाइल और फोल्डरों के प्रबंधन की प्रक्रिया का वर्णन।	1. फाइल और फोल्डर के उद्देश्य का वर्णन। 2. ड्राइव पर फाइल और फोल्डर लगाने के लिए प्रक्रिया का वर्णन। 3 फाइन और पिक्चर फॉर्मेट के सबसे अधिक उपयोग का वर्णन।	1. फाइल और फोल्डर बनाना। 2. फोल्डर और फाइल लोकेट औ रिनेम करना। 3. फाइल या फोल्डर को डिलीट करना। 4. फाइल और फोल्डर को कॉपी – पेस्ट करना 5. फाइल और फोल्डर को कट – पेस्ट करना।	पारस्परिक व्याख्यान : फाइलों और फोल्डरों का प्रबंधन करना। गतिविधि : फाइलों और फोल्डरों का प्रबंधन करने पर अभ्यास सत्र

इकाई कोड : एसएस 205 –एनक्यू 2012	इकाई का शीर्षक : ई–मेल संदेश			
	अवधि : 10 घंटे			
	अधिगम के परिणाम	ज्ञान मूल्यांकन	निष्पादन मूल्यांकन	शिक्षण और प्रशिक्षण विधि
स्थान : कक्षा और कंप्यूटर लैब	1. ई–मेल के उपयोग और विशेषताओं का वर्णन।	1. ई–मेल का अर्थ और प्रयोजन का वर्णन। 2. ई–मेल और उनकी उपयोग की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन।	1. ई–मेल एकाउंट खोलना। 2. साइन इन 3. ई–मेल पढ़ने के लिए इनबॉक्स खोलना। 4. मेल कम्पॉज करना 5. फाइल अटैच करना	पारस्परिक व्याख्यान : ई–मेल सेवाओं का उपयोग गतिविधि : ई मेल एकाउंट खोलने और प्रबंधन पर अभ्यास सत्र

			6. ई मेल सेंड करना 7. आउटबॉक्स खोलना 8. सेंट ई मेल देखने के लिए सेंट बॉक्स खोलना 9. हस्ताक्षर जोड़ना। 10. ड्राफ्ट मेसेज तैयार करना और ड्राफ्ट फोल्डर में सेव करना।	
	2. ई–मेल सेंड करने, फॉर्वर्ड करने और सर्च करने की प्रक्रिया का वर्णन।	1. ई–मेल सेंड करने, फॉर्वर्ड करने और सर्च करने की प्रक्रिया का वर्णन।	1. ई–मेल सेंड करना। 2. ई मेल देखना और अटैच करना। 3. अटैचमेंट को डाउनलोड करना। 4. ई मेल का उत्तर देना। 5. ई मेल फॉर्वर्ड करना 6. ई मेल डिलीट करना। 7. ई मेल का संग्रह करना। 8. स्पैम के रूप में ई मेल फ्लैगिंग। 9. स्पैम फोल्डर से ई मेल पुनः प्राप्त करना। 10. ई मेल सर्च करना। 11. ड्राफ्ट बॉक्स में सेव ई मेल पुनः प्राप्त करना और सेंड करने से पहले उन्हें एडिट करना।	पारस्परिक व्याख्यान : ई–मेल सेंड करना, फॉर्वर्ड करना और सर्च करना। गतिविधि : ई–मेल सेंड करने, फॉर्वर्ड करने और सर्च करने पर अभ्यास सत्र।
	3. ई मेल व्यवस्थित करना और कॉन्टेट का प्रबंधन करना।	1. ई मेल व्यवस्थित करने और प्रबंधन करने की प्रक्रिया का वर्णन करें। 2. ई–मेल प्रबंधन में लेबल और फिल्टर की उपयोगिता का	1. लेबल बनाना 2. संदेश के लेबल लगाएं 3. लेबल संदेश देखें। 4. लेबल का रंग चुनें। 5. लेबलों के लिए रंग	पारस्परिक व्याख्यान : कॉन्टेट व्यवस्थित और प्रबंधित करना। गतिविधि : कॉन्टेट व्यवस्थित और प्रबंधित

		वर्णन	अनुकूलित। 6. संदेश से लेबल हटाना। 7. फिल्टर बनाना 8. मेल को व्यवस्थित करने के लिए फिल्टर का उपयोग। 9. फिल्टर एडिट और डिलीट करना। 10. खोज मानदंड निर्दिष्ट करना। 11. कॉन्टेक्ट बनाना 12. कॉन्टेक्ट एडिट करना 13. कॉन्टेक्ट ग्रुप बनाना 14. कॉन्टेक्ट ग्रुप में कॉन्टेक्ट जोड़ना 15. कॉन्टेक्ट ग्रुप से कॉन्टेक्ट हटाना 16. कॉन्टेक्ट ग्रुप नेम एडिट करना। 17. कॉन्टेंट सर्च करना।	करने पर अभ्यास सत्र।
	4. ई–मेल शिष्टाचार के विभिन्न पहलुओं का वर्णन	1. ई–मेल शिष्टाचार के महत्व और लाभ का वर्णन	1. विषय लाइनों में उपयुक्त उपसर्गों का उपयोग करें। 2. प्राप्तकर्ता को उचित अभिवादन। 3. संदेश संक्षिप्त रखें 4. स्पेलिंग देखें 5. संक्षेपाक्षर और इमोटिकॉन्स उपयोग करते समय सावधानी रखते हुए ज्ञान का प्रदर्शन 6. उचित ताल मेल रखना	पारस्परिक व्याख्यान : ई–मेल शिष्टाचार गतिविधि : ई–मेल शिष्टाचार के मूलभूत नियमों के पालन पर अभ्यास सत्र

इकाई कोड : एसएस 206 – एनक्यू 2012	इकाई का शीर्षक : प्राथमिक चिकित्सा अभ्यास (उन्नत)			
	अवधि : 20 घंटे			
	अधिगम के परिणाम	ज्ञान मूल्यांकन	निष्पादन मूल्यांकन	शिक्षण और प्रशिक्षण विधि
स्थान : कक्षा, उद्योग, संगठन और अस्पताल	1. मूलभूत प्राथमिक चिकित्सा प्रदर्शन के लिए प्रक्रिया का वर्णन।	1. मूलभूत प्राथमिक चिकित्सा प्रदर्शन के लिए प्रक्रिया का वर्णन।	1. स्थिति का मूल्यांकन 2. श्वासनली, श्वास और रक्त परिसंचरण का प्रदर्शन 3. आपातकालीन सेवाओं के लिए कॉल करने के ज्ञान का प्रदर्शन 4. जवाबदेही तय करना 5. सांस लेने के संकेत को देखना, सुनना और महसूस करना। 6. पीड़ित परिसंचरण की जांच करें। 7. आवश्यक होने पर रक्तस्राव, सदमा और अन्य समस्याओं का इलाज।	पारस्परिक व्याख्यान : मूलभूत प्राथमिक चिकित्सा गतिविधि : मूलभूत प्राथमिक चिकित्सा पर भूमिका निभाना और अभ्यास सत्र
	2. निकासी और बचाव अभियान की विभिन्न विधियों का वर्णन।	1. एक व्यक्ति के लिए सरवाइवल बैंग ले जाने और उठाने के लिए स्ट्रेचर के महत्व और प्रक्रिया का वर्णन। 2. मानव बैसाखी, ड्रैग, और दो हाथ सीट या चार हाथ सीट निर्मित करने के लिए प्रक्रिया का वर्णन।	1. दो हाथ सीट या चार हाथ सीट निर्मित करने का निष्पादन	पारस्परिक व्याख्यान : निकासी और बचाव कार्य में प्रयुक्त विधियां गतिविधि : हाथों से सीट बनाने पर अभ्यास सत्र
	3. बचाव अभियान में गांठों के विभिन्न प्रकार के उपयोग का वर्णन।	1. गांठों के विभिन्न प्रकारों की तैयारी के लिए उपयोग और प्रक्रिया का वर्णन।	1. रस्सी का उपयोग करते हुए रीफ नॉट, शीट बैण्ड, आठ का आंकड़ा, राउंड टर्न और दो आधे	पारस्परिक व्याख्यान : रस्सियों का उपयोग कर गांठ लगाने की तैयारी

			हिच, क्लोव हिच, टिम्बर हिच, हाइवे मैन्स हिच, शीप शैंक और बोलाइन बनाना।	गतिविधि : गांठों के विभिन्न प्रकारों की तैयारी पर अभ्यास सत्र
	4. मानव शरीर की प्रणालियों की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. मानव कंकाल, तंत्रिका तंत्र, हृदय प्रणाली, श्वसन प्रणाली, पेशीय कंकाल प्रणाली, पाचन तंत्र, अंतः स्रावी प्रणाली, मूल प्रणाली, प्रजनन प्रणाली, आवरण प्रणाली और लसीका प्रणाली की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. मानव शरीर प्रणालियां जैसे कंकाल, तंत्रिका तंत्र, हृदय प्रणाली, श्वसन प्रणाली, पेशीय कंकाल प्रणाली, पाचन तंत्र, अंतः स्रावी प्रणाली, मूत्र प्रणाली, प्रजनन प्रणाली, आवरण प्रणाली और लसीका प्रणाली के हिस्सों की पहचान।	पारस्परिक व्याख्यान : मानव शरीर की प्रणालियां गतिविधि : मानव शरीर के शरीर रचना विज्ञान के अध्ययन के लिए एक जैविक प्रयोगशाला का दौरा
	5. कार्डियो पल्मोनरी पुनर्जीवन उपयोग करना	1. एंजाइना और दिल के दौरे के लक्षण और संकेत का वर्णन 2. कार्डियो पल्मोनरी पुनर्जीवन (सीपीआर), कृत्रिम श्वसन और मुंह से मुंह का पुनर्जीवन देने का उपयोग करने की प्रक्रिया का वर्णन	1. कार्डियो पल्मोनरी पुनर्जीवन (सीपीआर), कृत्रिम श्वसन और मुंह से मुंह का पुनर्जीवन देने का उपयोग	पारस्परिक व्याख्यान : कार्डियो पल्मोनरी पुनर्जीवन गतिविधि : प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षित व्यक्ति की कड़ी निगरानी में कार्डियो पल्मोनरी पुनर्जीवन पर अभ्यास सत्र

इकाई कोड : एसएस 207 – एनक्यू 2012	इकाई का शीर्षक : कार्य एकीकृत अधिगम – सुरक्षा सेवाएं – एल2			
	अवधि : 10 घंटे			
स्थान :	अधिगम के परिणाम	ज्ञान मूल्यांकन	निष्पादन मूल्यांकन	शिक्षण और प्रशिक्षण विधि
कक्षा	1. निजी सुरक्षा की संरचना और कार्यों का वर्णन।	1. सुरक्षा की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. आम तौर पर अपराध को रोकने और पता लगाने के लिए	पारस्परिक व्याख्यान : भारत में निजी सुरक्षा का परिचय

		2. भारत में निजी सुरक्षा कवर के दायरे का वर्णन। 3. आंतरिक और बाहरी ताकतों से प्रत्याशित धमकियों के विभिन्न प्रकार का वर्णन। 4. आम तौर पर चोरी और नुकसान को रोकने के लिए अपनाई गई विधियों / तकनीक का वर्णन। 5. एक विशिष्ट निजी सुरक्षा संगठन / कंपनी की संगठनात्मक संरचना का वर्णन।	अपनाई गई विधियों और तकनीकों का ज्ञान प्रदर्शित करना।	गतिविधि : भारत में निजी सुरक्षा की भूमिका पर समूह चर्चा।
	2. निजी सुरक्षा कंपनियों का अभिशासन करने वाले विभिन्न विधानों और नियमों का वर्णन	1. निजी सुरक्षा कंपनियों का अभिशासन करने वाले विभिन्न विधानों और नियमों का वर्णन	1. निजी सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मिक, वर्दी, पहचान पत्र आदि के लाइसेंस चयन का अभिशासन करने वाले विधानों और नियमों का ज्ञान प्रदर्शित करना।	पारस्परिक व्याख्यान : निजी सुरक्षा का अभिशासन करने वाले विधान और नियम गतिविधि : भारत में निजी सुरक्षा के विधानों और नियमों के विभिन्न पहलुओं पर समूह चर्चा
	3. अपराध को रोकने और निवारण करने में विभिन्न सुरक्षा उपकरणों की उपयोगिता का वर्णन।	1. विभिन्न संचार उपकरण, इंट्रूडर अलार्म प्रणाली, क्लोज सर्किट टेलीविजन प्रणाली, एक्सेस कंट्रोल प्रणाली, आग पता लगाने वाली प्रणाली, सिक्योरिटी लाइटिंग के उपयोग का वर्णन।	1. विभिन्न संचार उपकरण, इंट्रूडर अलार्म प्रणाली, क्लोज सर्किट टेलीविजन प्रणाली, एक्सेस कंट्रोल प्रणाली, आग पता लगाने वाली प्रणाली, सिक्योरिटी लाइटिंग आदि के उपयोग का वर्णन करना।	पारस्परिक व्याख्यान : सुरक्षा उपकरण गतिविधि : सुरक्षा उपकरण की पहचान और उपयोग पर अभ्यास सत्र।
	4. खोज और प्रलेखन से संबंधित कार्रवाई की प्रक्रिया का वर्णन।	1. खोज और प्रलेखन से संबंधित कार्रवाई की प्रक्रिया का वर्णन।	1. बैज और अतिथि पर्चियों को जारी करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन।	पारस्परिक व्याख्यान : सुरक्षा में खोज और प्रलेखन

			2. वाहनों को रोकने और खोज करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन 3. कार्मिक को रोकने और खोज करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन 4. खोज की रिकॉर्डिंग की घटनाओं की प्रक्रिया का प्रदर्शन	गतिविधि : खोज और प्रलेखन पर भूमिका निभाना और अभ्यास सत्र
	5. निजी सुरक्षा कार्मिकों की भूमिका और कार्यों का वर्णन।	1. सुरक्षा प्रबंधक, सुरक्षा पर्यवेक्षक, सुरक्षा अधिकारी, सहायक और सुरक्षा अधिकारी के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का वर्णन।	1. सुरक्षा कर्मियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का ज्ञान प्रदर्शित करना।	पारस्परिक व्याख्यान : सुरक्षा कर्मियों के कर्तव्य और जिम्मेदारियां गतिविधि : सुरक्षा कर्मियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर भूमिका निभाना

आकलन मार्गदर्शिका

आकलन एक ऐसी प्रक्रिया है जो व्यासायिक क्षेत्र में व्यक्ति की प्रगति या उसकी विशेषता / दक्षता के स्तर पर निर्धारण करती है। यह रचनात्मक (निरंतर) और / या योगात्मक (अंतिम) हो सकती है। यह साक्ष्य जमा करने और उस सीमा के बारे में निर्णय लेने की प्रक्रिया है, जिस तक एक व्यक्ति मानकों में तय किए गए ज्ञान और कौशल या दक्षता की इकाई में अधिगम परिणाम प्रदर्शित करता है। आकलन व्यक्ति की क्षमता के बारे में सूचना और साक्ष्य के आधार पर किया जाए जिसमें उद्देश्य या मानक स्पष्ट रूप से बताए जाएं। आकलन विधियों की विधिवत से अनेक प्रयोजन पूरे होते हैं और दक्षता आधारित आकलन की आवश्यकताएं पूरी होती हैं। उन गतिविधियों से उचित साक्ष्य प्राप्त किए जाने चाहिए जिन्हें दक्षता की इकाइयों में स्पष्ट रूप से जोड़ा जा सके। इसमें दक्षता मानकों के सभी तत्वों और निष्पादन मानदंड / सूचकांकों को शामिल किया जाना चाहिए। छात्र की उपलब्धियों का आकलन निम्नलिखित आकलन विधियों का उपयोग करते हुए होना चाहिए।

क्र. सं.	कार्यों की विधि	भारांक (अधिकतम अंक)	मूल्यांकन कर्ता
1.	लिखित परीक्षा	30	अध्यापक
2.	व्यावहारिक परीक्षा	30	प्रमाणित निर्धारक #
3.	मौखिक परीक्षा / मौखिक	10	अध्यापक / बाह्य परीक्षक
4.	पोर्टफोलियो	10	अध्यापक
5.	परियोजना	10	अध्यापक / प्रशिक्षक
6.	प्रत्यक्ष अवलोकन	10	अध्यापक / प्रशिक्षक
कुल		100	

निर्धारक को राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

1. लिखित परीक्षा : इससे प्रत्याशी प्रदर्शित करते हैं कि उन्हें दिए गए विषय का ज्ञान और समझ है।
2. प्रायोगिक परीक्षा : इससे प्रत्याशी दक्षता मानकों (कौशल और शैक्षिक मानकों) की तुलना में नकली या वास्तविक कार्य परिस्थितियों में कौशलों का अनुप्रयोग का प्रदर्शन कर सकते हैं।

3. मौखिक परीक्षा / वाइवा : इससे प्रत्याशी संचार कौशलों और सामग्री के ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं। मौखिक परीक्षा या वाइवा के समय ऑडियो या विडियो रिकॉर्डिंग की जा सकती है।

4. पोर्टफोलियो : यह प्रत्याशी द्वारा किए गए दक्षता के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेजों का संकलन है जो पूर्व अधिगम या प्रायोगिक अनुभव से अर्जित की गई है। कार्यस्थल या समुदाय में व्यावहारिक अनुभव के दस्तावेज (फोटो, समाचार पत्र के लेख, रिपोर्ट आदि सहित) और दक्षता की इकाइयों से संबंधित प्रत्याशियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की तस्वीरें पोर्टफोलियो में शामिल किए जाएं।

5. परियोजना : परियोजनाएं (अलग – अलग या समूह की परियोजना) एक समय सीमा में कौशलों के अभ्यास का आकलन करने का अच्छा तरीका है किंतु इन्हें परियोजना में शामिल कार्यों या गतिविधियों के निष्पादन के लिए व्यक्ति की क्षमता के आधार पर दिया जाना चाहिए। कक्षा में परियोजनाओं पर चर्चा की जानी चाहिए और अध्यापक को परियोजना की प्रगति की समय समय पर निगरानी करनी चाहिए तथा सुधार और नवाचार के लिए प्रतिक्रिया प्रदान करनी चाहिए।

6. प्रत्यक्ष अवलोकन : प्रत्यक्ष अवलोकन के लिए देखने वाले व्यक्ति और जिन्हें देखा जा रहा है, उनकी ओर से एक पर्याप्त प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। तालिका में दर्शाए गए रोजगार क्षमता के कौशलों के मूल्यांकन अध्यापक / प्रशिक्षक के प्रत्यक्ष अवलोकन द्वारा किया जाना चाहिए और मूल्यांकन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उचित रिकॉर्ड रखे जाने चाहिए।

रोजगार कौशल केंद्र	क्र. सं.	सक्षमता और निष्पादन मानक	सक्षम	अब तक सक्षम नहीं
संचार	1.	उचित प्रश्न पूछता है		
	2.	स्पष्ट रूप से और पठनीय लिखता है		
	3.	अच्छी तरह सुनने और कौशल का प्रत्युत्तर देने का प्रदर्शन करता है		
	4.	अनुपस्थिति के बारे में बताता है और कारण बताता है।		
दायित्व	5.	कार्य की व्यवस्था करता है		
	6.	समय पर और प्रभावी रूप से कार्य करता है		
	7.	कार्य समय पर पूरे करता है		
	8.	पुर्जों और उपकरणों की देखभाल करता है		
	9.	जिम्मेदारी खुशी से स्वीकार करता है		
	10.	धीरज दर्शाता है		
	11.	कार्य पर गर्व प्रदर्शित करता है		

आपसी संबंध	12.	दोस्ताना और सहयोगात्मक स्वभाव दर्शाता है		
	13.	कठिन परिस्थितियों में चतुराई का प्रदर्शन करता है		
	14.	रचनात्मक आलोचना स्वीकार करता है		
	15.	सकारात्मक मनोवृत्ति दर्शाता है		
स्वास्थ्य और सुरक्षा	16.	उत्तम व्यक्तिगत स्वच्छता का नियमित रूप से पालन करता है		
	17.	अच्छा व्यक्तिगत स्वास्थ्य बनाए रखता है		
	18.	अच्छी तरह से उपयुक्त कपड़े पहनता है		
नवाचार और रचनात्मकता	19.	कारण बताता है और वस्तुनिष्ठ निर्णय देता है		
	20.	विचारों और रायों को अन्य के साथ बांटता है		

1. सक्षम = 0.5 अंक
2. अब तक सक्षम नहीं = 0

पुर्जों, उपकरण और सामग्रियों की सूची

नीचे दी गई सूची सुझावात्मक है और अध्यापक द्वारा विस्तृत सूची बनाई जानी चाहिए। संस्थान में केवल मूलभूत पुर्जों, उपकरण और सहायक सामग्रियों की उपलब्ध होती है, अतः छात्रों को अभ्यास और पर्याप्त प्रायोगिक अनुभव के लिए कार्यों का नियमित निष्पादन करना चाहिए।

उपकरण और सामग्रियां

1. टॉर्च लाइट
2. छड़ी
3. हथकड़ी
4. जूते
5. सुरक्षा गार्ड बेल्ट
6. नोटबुक
7. पेन

8. अतिरिक्त बैटरी और बल्ब
9. दो मार्गी रेडियो और चार्ज
10. सुरक्षा हेलमेट
11. ड्यूटी की वर्दी
12. घड़ी
13. टेलीफोन
14. की बोर्ड
15. अग्नि शामक यंत्र
16. पार्किंग साइन
17. अलार्म पैनल
18. चेन के साथ मिलकर पेडलॉक्स
19. रस्सी
20. आपातकालीन चेतावनी लाइट
21. आपातकालीन फ्लड लाइट
22. धुआं डिटेक्टर
23. प्राथमिक चिकित्सा उपकरण
24. प्राथमिक चिकित्सा किट

रजिस्टर / रिकॉर्ड / रिपोर्ट बुक

1. अलार्म जांच रजिस्टर : इसे उन सभी घटनाओं को दर्ज करने में इस्तेमाल किया जाता है, जहां परिसर में अलार्म की जांच की जाती है। इसमें तिथि, समय, जांच करने वाले व्यक्ति का नाम और परिणाम सहित किसी खराबी का विवरण होता है।
2. प्रति दिन की घटनाएं / घटना की रिपोर्ट / गार्ड रिपोर्ट पुस्तिका – इसमें घटनाओं के प्रतिदिन के रिकॉर्ड होते हैं जैसे परिसरों में लोगों का आना और जाना, यातायात नियंत्रण, आपूर्तियां और संग्रह तथा ड्यूटी के दौरान होने वाली कोई भी घटना।
3. चाबी का रजिस्टर : इसे सुरक्षा विभाग के पास मौजूद सभी चाबियों को दर्ज करने में उपयोग किया जाता है।
4. खोई और पाई वस्तुओं का रजिस्टर : इसमें परिसर में खोई या पाई गई सभी चीजों का विवरण दर्ज होता है।

5. कार्मिक पास का रजिस्टर : यह कार्य आरंभ होने या समाप्त होने के समय परिसर से बाहर जाने पर कर्मचारियों के विवरणों का रिकॉर्ड रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
6. कबाड़ के पास के लिए रजिस्टर – इसे परिसर से हटाई जाने वाली सामग्रियां दर्ज करने में उपयोग किया जाता है। इसमें पास के विवरण और अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर होते हैं।
7. खोज रजिस्टर : इसमें तिथि, समय, खोजे गए व्यक्ति का नाम और पता शामिल है।
8. अस्थायी अनुदेश फाइल – इसमें अनुदेशों के प्रतिदिन के बदलाव या नई जानकारी होती है।
9. टेलीफोन संदेश पुस्तिका : इसे प्राप्त सूचना और संदेश दर्ज करने में इस्तेमाल किया जाता है।
10. पुर्जा और उपकरण उधारी रजिस्टर – इसमें पुर्जों या उपकरण को उधार देने के विवरण दर्ज किए जाते हैं।
11. आगंतुक रजिस्टर : इसे परिसरों में आने और जाने वाले गैर कर्मचारियों के नाम और पते दर्ज करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
12. वाहन रजिस्टर : इसमें परिसर में आने वाले या जाने वाले वाहनों की विवरण दर्ज करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

अध्यापक की योग्यताएं

संविदा आधार पर व्यावसायिक शिक्षक के लिए योग्यता, दक्षताएं और अन्य आवश्यकताएं इस प्रकार होनी चाहिए :

क्र. सं.	योग्यता	न्यूनतम सक्षमता	आयु सीमा
1	• किसी भी विषय में स्नातक • उपरोक्त के अलावा, सुरक्षा में एक वर्ष का अनुभव सहित सुरक्षा में डिप्लोमा या सुरक्षा में दो वर्ष के अनुभव सहित ''पुनर्वास महानिदेशालय द्वारा आयोजित सहायक सुरक्षा अधिकारी (एएसओ) के रूप में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम या सुरक्षा ज्ञान और कौशल विकास परिषद (एसकेएसडीसी) द्वारा आयोजित प्रशिक्षक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित। • पूर्व सैनिक को वरीयता दी जाएगी। • जिन पूर्व सैनिकों ने सशस्त्र सेना में कम से कम 10 वर्ष की सेवा प्रदान की है उन्हें ' अनुभव' की शर्त में छूट दी जाएगी।	▪ प्रभावी संचार कौशल (मौखिक और लिखित) ▪ मूलभूत कंप्यूटर कौशल ▪ तकनीकी दक्षताएं	18–37 वर्ष (1 जनवरी (वर्ष) के अनुसार) सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

योगदानकर्ताओं की सूची

1. मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बी एस घोत्रा, मुख्य प्रचालन अधिकारी, सुरक्षा ज्ञान और कौशल विकास परिषद (एसकेएसडीसी), 305 सिटी कोर्ट, सिकंदरपुर, एम जी रोड, गुड़गांव – 122 002
2. डॉक्टर विनय स्वरूप मेहरोत्रा, एसो. प्रोफेसर और प्रमुख, पाठ्यचर्या विकास और मूल्यांकन केन्द्र, पं. सुं. श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी. एस.एस.सी.आई.वी.ई.), एनसीईआरटी, श्यामला हिल्स, भोपाल – 462 013
3. कर्नल (सेवानिवृत्त) तपेश चंद्र सेन, उप निदेशक (एसीडी) , सुरक्षा ज्ञान और कौशल विकास परिषद (एसकेएसडीसी), 305 सिटी कोर्ट, सिकंदरपुर, एम जी रोड, गुड़गांव – 122 002
4. श्रीमती लीना कपूर, यूनिफायर्स सोशल वेंचर्स प्रा. लि., डी–253, सर्वोदय एन्क्लेव, नई दिल्ली – 110017
5. श्री मोहित शर्मा, इंटरनेशनल कॉलेज फॉर सिक्योरिटी स्टडीज, डी–452, रामफल चौक, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली।
6. मेजर (सेवानिवृत्त) बिक्रम सिंह, एफ–15 एफएफ, लाजपत नगर –3, नई दिल्ली – 110024
7. लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) प्रदीप बजाज, जी–2, सेक्टर – 25, नोएडा – 201301
8. लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) नीरज गुप्ता, डी–003, राम विहार, सेक्टर 30, नोएडा – 201 303
9. श्री गिरवर सिंह नरूका, सामान्य नौसेना प्रशिक्षक, एचवीटीआई, टीसीपीएल–1, टापुखेड़ा, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान।
10. श्री सी. पाल सिंह, पूर्व आईजी, पुलिस और निदेशक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, माउंट आबू, 949 सेक्टर 37, नोएडा (उ. प्र.)
11. श्री देवेन्द्र कुमार, सतर्कता सह सुरक्षा अधिकारी, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), श्री अरबिंदो मार्ग, नई दिल्ली – 16
12. कैप्टन बी एन यादव, मुख्य सुरक्षा अधिकारी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), हौज खास, नई दिल्ली – 16.
13. डॉ. पी वीरैया, सहायक प्रोफेसर, व्यापार और वाणिज्य प्रभाग, पं. सुं. श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.), श्यामला हिल्स, भोपाल – 462 013
14. सुश्री अनुपम लखेरा, प्रमुख, सामग्री विकास, यूनिफायर्स सोशल वेंचर्स प्रा. लि., डी–253, सर्वोदय एन्क्लेव, नई दिल्ली – 110017

अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें :
डॉ. विनय स्वरूप मेहरोत्रा
प्रमुख, पाठ्यचर्या विकास और मूल्यांकन केंद्र (सीडीईसी)
पं. सुं. श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई),
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462 013
ई–मेल : drvs.mehrotra@gmail.com